मूरतिमान सिंगार सहचरी

मूरतिमान सिंगार सहचरी ।
सजि लाई आरति सिंगार की ।।
आनि दई कर अग्रवर्ति के ।
अद्भुत रीति उतारति वारति ।।
कहा कहो शोभा कनक थार की ।
निरखि सुछवि विविवर उदार की ।।
श्रीहरिप्रिया पुलक अंग अंग में ।
बाढ़ी उर उमगन बिहार की ।।

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27079/title/murtimaan-singaar-sehchari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |